स्मार्ट सिटीजन से स्मार्ट बनेगा शहर

प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए इंजीनियरों ने किया मंथन

केंद्रीय मंत्री ने भी माना आदत और व्यवहार में बदलाव जरूरी

गुरुवार को एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग इंजीनियर्स द्वारा स्मार्ट सिटी को लेकर होटल अमर में आयोजित सेमिनार को संबोधित करते केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री प्रो. रामशंकर कठेरिया। मंचासीन हैं मेयर इंद्रजीत आर्य, प्रो. पीके सरकार, अविनाश शिरोड़े, उमेश कुमार शर्मा सहित अन्य।

जागरण संवाददाता, आगरा: स्मार्ट सिटी के लिए देश भर के सौ शहरों में होड़ मची है। वोटिंग कैसे बढ़े, क्या-क्या सुविधाएं जरूरी हैं? इस बहस के बीच विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि स्मार्ट सिटी के लिए सबसे जरूरी है कि वहां के नागरिक स्मार्ट बनें। ईंट-पत्थरों की बनी ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, मनोरंजन और विकास के साधन तो शहर को सिर्फ सुंदर बना सकते हैं।

फतेहाबाद रोड स्थित होटल अमर में गुरुवार को एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग इंजीनियर्स, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स और इंस्टीट्यूशन ऑफ पब्लिक हेल्थ इंजीनियर्स ने एक सेमिनार आयोजित किया। इसमें बिल्डर, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इसमें स्मार्ट सिटी कैसे बने और उसके लिए क्या पहल की जानी चाहिए? जैसे विषयों पर देश के जाने-माने संस्थानों से आए विशेषज्ञ इंजीनियरों ने प्रेजेंटेशन दिए।

सेमिनार की शुरूआत में ही नासिक से आए इंजीनियर अविनाश शिरोड़े ने स्मार्ट सिटीजन का मुद्दा छेड़ दिया, जो पूरे दिन की चर्चा पर भारी पड़ा। मुख्य अतिथि केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री डॉ. रामशंकर कठेरिया ने भी इस मंत्र का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने व्यवहार और आदतों में बदलाव करना होगा। महापौर इंद्रजीत आर्य ने कहा कि पढ़े-लिखे लोग भी सड़क पर कचरा फेंकते हैं और पानी बर्बाद करते हैं। यह आदत बदलनी होगी। संचालन अजीत फौजदार व उमेश शर्मा ने किया। इस मौके पर सुनील बोस, आशू गुप्ता, प्रदीप खत्री, प्रदीप कपूर आइटी एक्सपर्ट रक्षित टंडन ने अपना प्रजेंटेशन दिया। कार्यक्रम में नगर आयुक्त इंद्र विक्रम सिंह, एपीजीसी के अध्यक्ष एफयू रहमान व सचिव संजय सिंह, डीएस चौधरी, दिनकर सक्सेना, इकबाल बहादुर, शैलेंद्र सिंह, मनोज कुलश्रेष्ठ, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष राकेश गर्ग, बिल्डर जेएस फौजदार, क्रेडई अध्यक्ष संतोष कटारा, आदि उपस्थित थे।

आज स्मार्ट सिटी के लिए दौड़ेंगे छात्र

एसोसिएशन ऑफ प्रोग्रेसिव स्कूल ऑफ आगरा (अप्सा) द्वारा शहरवासियों को ऑनलाइन वोटिंग के प्रति जागरूक करने को रन फॉर आगरा का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के सचिव सुशील गुप्ता ने बताया कि रैली सुबह नौ बजे सेंट जोंस कॉलेज परिसर से शुरू होगी, जो नगर निगम परिसर में समाप्त होगी। इसमें दस हजार छात्र-छात्राओं के शामिल होने की उम्मीद है।

इंजीनियर्स बिल की मांग

सेमीनार के दौरान इंजीनियरों ने केंद्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया से इंजीनियर्स बिल पास करने की मांग की। इंजीनियर अविनाश शिरोड़े के नेतृत्व में मंत्री को एक ज्ञापन भी दिया गया।

आयोजित सेमिनार में मौजूद अतिथि।

बोले विशेषज्ञ

किसी भी शहर की परिकल्पना बिना स्मार्ट ट्रांसपोर्ट सिस्टम के नहीं की जा सकती। इसके लिए मौजूदा व्यवस्था में ही परिवर्तन करके क्रांति लाई जा सकती है।

प्रो. पीके सरकार, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के ट्रांसपोर्ट प्लानिंग विभाग के हेड

मोहन जोदड़ो की सभ्यता वाला देश आज पीछे कैसे रह गया? पानी, बिजली, घरेलू कचरे, स्वास्थ्य और शिक्षा को स्मार्ट बनाकर स्मार्ट बना जा सकता है।

पी. सूर्यप्रकाश, डायरेक्टर सत्यवानी प्रोजेक्ट एंड कंसल्टेंट, हैदराबाद

प्रदूषण से बचने के लिए लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट के प्रयोग के लिए जागरूक करना होगा। इससे पहले बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन की जरूरत है।

डॉ. ई. मधु, सीएसआइआर-सीआरआरआइ के ट्रांसपोर्ट प्लानिंग डिवीजन के प्रमुख वैज्ञानिक

स्मार्ट सिटी कांसेप्ट की पहली सीढ़ी स्मार्ट नागरिक हैं। अगर हम इस लक्ष्य को पा गए तो शहर स्मार्ट हो जाएगा। नहीं तो हर कवायद फेल होगी।

अविनाश शिरोड़े, एसीसीई के पीपी।